पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. Com.– II & B.V.A. (Hindi), Semester - III** **Vertical :**AEC-L2 MIL **Course Code:** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2025	**UA:-**30 Marks **CA:-**20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

भारतीय भाषाएँ समृद्ध भाषाई धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत में लगभग 22 आधिकारिक भाषाएँ और कई अन्य बोलियाँ और उपभाषाएँ बोली जाती हैं। इंडो-आर्यन भाषाएँ, द्रविड़ भाषाएँ, आस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ, तिब्बती-बर्मी भाषाएँ, अंडमानी और निकोबारी भाषाएँ भारतीय भाषाओं के प्रमुख परिवार है। यह भाषाएँ प्राचीन और मध्ययुगीन इतिहास से जुड़ी हुई हैं। भारतीय भाषाएँ शिक्षा और संचार के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारतीय भाषाएँ आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय भाषाएँ और हिंदी भाषा के बीच एक गहरा संबंध है। हिंदी भारत की एक प्रमुख भाषा है। हिंदी भाषा इंडो-आर्यन भाषा परिवार का एक हिस्सा है, जो भारतीय भाषाओं के परिवार में एक प्रमुख स्थान रखता है। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है, जो एक प्राचीन और विकसित लिपि है। हिंदी भाषा पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है, जो इसकी शब्दावली और व्याकरण में दिखाई देता है। इसकी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियाँ हैं- अवधी, ब्रज, और राजस्थानी आदि। हिंदी भाषा ने राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज हिंदी शिक्षा,ज्ञान-विज्ञान, तकनीकि और संचार की बहषा बनी है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Objective of the Course

1. छात्रों को भाषा का ज्ञान प्रदान करना।
2. छात्रों को हिंदी भाषा का परिचय करना।
3. छात्रों को भाषा और संस्कृति के बीच संबंधों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी की साहित्यिक कृतियों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcome

1) छात्र को भाषा का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2) छात्र हिंदी भाषा से परिचित होते हैं।
3) छात्र भाषा और संस्कृति के बीच संबंधों का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4) छात्र हिंदी की साहित्यिक कृतियों से परिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्ययनार्थ विषय:- **Weight age / बल**

इकाई - 1 भारतीय भाषाएँ **Credit-1 Lecture-15**

1. भारतीय भाषाएँ **Marks - 15**
2. भारतीय भाषाओं का उद्‌भव और विकास
3. आधुनिक भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय

इकाई - 2 हिंदी भाषा और बोलियाँ **Credit-1 Lecture-15**

1) हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ **Marks - 15**
2) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
3) हिंदी का भौगोलिक विस्तार-उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भारतीय भाषाएँ - डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी
2. भारतीय भाषाओं का इतिहास - डॉ. सुरेश चंद्र बारुआ
3. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नंददुलारे वाजपेयी
5. हिंदी भाषा और साहित्य की मूल बातें - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
6. भारतीय भाषाओं का शब्दकोश - डॉ. रामविलास शर्मा
7. भारतीय भाषाओं का व्याकरण - डॉ. भोलानाथ तिवारी

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ लिखिए (4 मेंसे 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. Com.– II & B.V.A. (Hindi), Semester - IV** **Vertical:**AEC-L2 MIL **Course Code: G03** (-------) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी**

***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2024	***Examination Scheme** **UA:** -30 Marks **CA:** -20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

किसी भी भाषा की संरचना में शब्द रचना, वाक्य रचना, क्रिया आदि का स्थान महत्त्वपूर्ण होता है। हिंदी भाषा में शब्दों की रचना वर्णों, शब्दांशों, और उपसर्गों के संयोजन से होती है। हिंदी भाषा में वाक्यों की रचना विषय, क्रिया और वस्तु के आधार पर होती है। साथ ही क्रियाएँ वाक्यों की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिंदी भाषा में शब्दों के अर्थ, उनके प्रयोग और संदर्भ के आधार पर निर्धारित होते हैं। वाक्यों में शब्दों का प्रयोग उनके अर्थ और संदर्भ के आधार पर किया जाता है। हिंदी भाषा की शब्दावली समय के साथ विकसित हुई है, जिसमें नए शब्द जोड़े जाते हैं और पुराने शब्दों के अर्थ बदलते हैं। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साहित्य, शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / (Objective of the Course)

1. छात्रों को हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्रदान करना।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों, जैसे कि वर्णमाला, शब्द रचना, वाक्य रचना का अध्ययन करना।
3. छात्रों को हिंदी साहित्य का परिचय प्रदान करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / (Course Outcome)

1. छात्र हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों, जैसे कि वर्णमाला, शब्द रचना, वाक्य रचना से परिचित होते हैं।
3. छात्र हिंदी साहित्य सेपरिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्यनार्थ विषय:- **Weight age / बल**

इकाई - 1 हिंदी संरचना **Credit-1 Lecture-15**

1. मानक वर्तनी के नियम **Marks - 15**
2. वाक्य रचना, शब्द रचना
3. लिंग एवं लिंग परिवर्तन के नियम

इकाई - 2 हिदी पद्य और गद्य **Credit-1 Lecture-15**

1. भिक्षुक – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (काव्य) **Marks – 15**
2. हिजड़े – कृष्णमोहन झा (काव्य)
3. ईश्वरीय न्याय – प्रेमचंद (कहानी)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी व्याकरण - डॉ. रामविलास शर्मा
2. हिंदी व्याकरण की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी व्याकरण का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
4. हिंदी वाक्य रचना - डॉ. रामविलास शर्मा
5. हिंदी वाक्य रचना की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी वाक्य रचना का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिंदी कविता का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
8. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
9. हिंदी गद्य साहित्य का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक - डॉ. रामविलास शर्मा
11. हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि - डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. https://www.hindwi.org/kavita/eunuch/hijde-krishnamohan-jha-kavita?sort

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30